आकाश चोपड़ा की विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में चार भारतीय शामिल

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने वर्तमान समय की विश्व की सर्वेश्रेष्ठ टेस्ट टीम का चयन किया है। आकाश ने अपनी इस टीम में चार भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि इसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं है। आकाश की इस टीम में भारत और इंग्लैंड के चार-चार व ऑस्ट्रेलिया के दो और वेस्टइंडीज के एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। चोपड़ा ने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट 11 खिलाड़ियों में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को भी शामिल किया है। स्टोक्स टीम में एकमात्र ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्होंने संन्यास ले लिया है। वहीं अन्य सभी सक्रिय क्रिकेटर हैं।

चोपड़ा ने इस टीम में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और भारत के केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज रखा है। इसके बाद तीन नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को रखा है।

वहीं चार नंबर पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल हैं। पांच नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज हैरी ब्रूक को शामिल किया है। छह और सात नंबर पर आकाश चोपड़ा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा हैं को रखा है। तेज गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, इंग्लैंड के जोश टंग और वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि चोपड़ा ने इस टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नहीं रखा है। आकाश की इस टीम में रवींद्र जडेजा मुख्य स्पिनर हैं। उन्होंने किसी विशेषज्ञ स्पिनर को जगह नहीं दी है हालांकि, उनकी टीम में आठ नंबर तक बल्लेबाजी है।

आर्सेनल की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं मिडफील्डर गुइमारेस

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में खेलने जा रहे ब्राजील के मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस का कहना है कि आर्सेनल में शामिल होकर उन्हें काफी अच्छा लग रहा है। उनका लक्ष्य क्लब की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। आर्सेनल की भी नजरें ब्रूनो पर लगी हैं। टीम ने जिन्हें न्यूकैसल यूनाइटेड से भारी भरकम राशि देकर खरीदा था। आर्सेनल को उम्मीद है कि इस मिडफील्डर के आने से उसकी टीम और बेहतर होगी। वहीं आर्सेनल में शामिल होकर गुइमारेस भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें इस टीम में आकर काफी अच्छा लग रहा है। यहां उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, आर्सेनल में शामिल होकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस अच्छे अवसर के लिए अभारी हूं। कोच मिकेल आर्टेटा भी काफी अच्छे है। इस प्रकार देखा जाये तो आर्सेनल जैसे बेहतरीन क्लब में आना मेरे लिए सुखद अनुभव है। मैं क्लब की गौरवशाली उपलब्धियों का हिस्सा बनना चाहता हूं। अपने खेल शैली को लेकर इस फुटबालर ने कहा, मैं एक सेंट्रल मिडफील्डर हूं। मुझे शानदार पासिंग के साथ गेंद को लगातार आगे बढ़ाना रखना पसंद है। मैं मैदान में हर जगह अपनी पहुंच बनाने के प्रयास करता हूं। मैं हमेशा जोश और उत्साह के साथ खेलता हूं और हमेशा ही अपनी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करता हूं। मैं गेंद के साथ सहज महसूस करते हुए और दबाव में भी शांत रहता हूं।

न्यूज ब्रीफ

चाइना मास्टर्स: एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक

शेनझेन। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने हमवतन किम गा युन को सीधे गेमों में

हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। एन से यंग को क्वार्टर फाइनल में किम गा युन से शुरुआती चुनौती मिली। पहले गेम में दोनों 6-6 से बराबरी पर थीं, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार छह अंक जीतकर मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में एन से यंग ने और अधिक आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया और सीधे गेमों में सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में चाइना मास्टर्स का खिताब जीता था। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार ट्राफी जीतने पर है। ऐसा करने पर वह चोन वी पेई के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगी, जिन्होंने 2018, 2019 और 2023 में महिला एकल खिताब जीते थे। इससे पहले अकाने यामागुची ने सुपानिदा कातेथोंग को 21-18, 21-16 से हराया। तीन बार की विश्व चैंपियन यामागुची ने मुकाबला 33 मिनट में अपने नाम किया। विश्व नंबर-30 कातेथोंग ने टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में शामिल यामागुची को कड़ी चुनौती दी। पहले गेम के मध्यांतर में स्कोर 8-8 था, जबकि दूसरे गेम में थाई खिलाड़ी ने 11-8 की बढ़त भी बना ली थी। हालांकि, वापसी के लिए मशहूर यामागुची ने एक बार फिर अपना अनुभव दिखाया और लगातार अंक हासिल करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया।

चाइना मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हारे, ली चियुक यिउ ने सीधे गेमों में दी मात

शेनझेन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकार्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है। दोनों के बीच अब तक हुई भिड़ंत में श्रीकांत की एकमात्र जीत 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में आई थी। श्रीकांत ने इससे पहले अंतिम-8 में पहुंचने के लिए पिछले दौर में विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराया था।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाली बल्लेबाज बनीं

दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया है।

महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग के खिलाफ खेलते हुए मंधाना ने 124 रन की तूफ़ानी पारी खेली और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकार्ड तोड़ दिया। 30 वर्षीय मंधाना के नाम अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,880 रन हो गए हैं, जबकि मिताली राज ने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। इस शानदार पारी के साथ मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने सिर्फ रनों के मामले में ही नहीं, बल्कि शतकों के मामले में भी नया विश्व रिकार्ड बनाया। हांगकांग के खिलाफ लगाया गया शतक उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया की पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मेग लैनिंग के 17 शतकों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। मंधाना की इस पारी ने भारत को हांगकांग के खिलाफ मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के सामने हांगकांग के गेंदबाज पूरी तरह दबाव में नजर आए। मंधाना ने शुरुआत से ही तेजी से रन बनाए और मैदान के चारों तरफ शानदार शाट लगाए।

महिला क्रिकेटर सोफिया अगले एक साल तक सिडनी सिक्सर्स में ही रहेंगी

सिडनी

इंग्लैंड की अनुभवी महिला क्रिकेटर सोफिया डंकले अब आस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के 12वें सत्र में भी सिडनी सिक्सर्स की ओर से ही खेलती नजर आयेंगी। सोफिया ने इस सत्र के लिए सिडनी सिक्सर्स के साथ अपना अनुबंध एक साल तक के लिउ बढ़ा दिया है। उन्हें ये अनुबंध द हंड्रेड टूर्नामेंट में ट्रेंट राकेट्स की ओर से किये उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मिला है।

सोफिया ने द हंड्रेड महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में ट्रेंट राकेट्स को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह प्रतियोगिता की सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी भी बनी थी। इससे पहले भी बिग बैश के पिछले सत्र के दौरान इस खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 354 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन के आधार पर ही सिक्सर्स प्रबंधन ने उन्हें टीम में इस बार भी बनाये रखा है। सोफिया ने टीम में बरकारार रखे जाने पर अपनी वापसी पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मुझे पिछले सीजन में सिक्सर्स के साथ बिताया गया समय बहुत पसंद आया था और मैं वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया था। उन्होंने आगे कहा, मुझे पिछले साल क्लब के साथ बिताया अपना समय बहुत अच्छा लगा और मैं नार्थ सिडनी में लड़कियों के साथ फिर से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उनकी यह प्रतिक्रिया टीम के प्रति उनके लगाव और आगामी सत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दिखाती है। गौरलब है कि साल 2018 में इंग्लैंड की ओ से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से ही सोफिय ने विश्व की बेहतरीन बल्लेबाज के तौर पर उभरी हैं। वह खेल के सभी प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करती रही है। उनकी बल्लेबाजी से टीम को हमेशा मजबूती मिलती रही है। उनकी यह क्षमता उन्हें बड़े मैचों में निर्णायक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाती है। वहीं सिडनी सिक्सर्स की जनरल मैनेजर रेचल हेन्स ने अगले सत्र के लिए सोफिया के टीम में जुड़ने को क्लब के लिए अच्छा अनुभव बताया है। हेन्स ने कहा, सोफिया ने पिछले सत्र में प्रभावित किया था। उन्होंने हमारी बल्लेबाजी लाइन-अप की क्षमता को बढ़ाया और जल्द ही मैदान पर और मैदान के बाहर ग्रुप की एक अहम सदस्य बन गईं।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं इलियट एंडरसन

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के नये मिडफील्डर बेल्जियम के इलियट एंडरसन ने कहा है कि वह इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में मैनचेस्टर डर्बी मुकाबले में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच होने वाले मुकाबले को मैनचेस्टर डर्बी के नाम से जाना जाता है। एंडरसन ने हाल ही में सिटी से करार कर प्रीमियर लीग में प्रवेश है। इस फुटबालर के अनुसार क्लब की जीत की मानसिकता और मुख्य कोच एंजो मारेस्का के साथ काम करने का अवसर उनके इस क्लब में आने का मुख्य कारण है। एंडरसन ने कहा, मुझे लगता है कि वे सिर्फ विजेता हैं। वे लगातार खेलते रहते हैं। मैं ऐसी ही टीम का हिस्सा बनकर खुश हूं। मैं मारेस्का के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मैंने पिछले कुछ साल में उनकी टीमों को देखा है और चेल्सी के कुछ खिलाड़ियों से भी बात की है, और वे सभी उन्हें बहुत अच्छा मानते हैं। अपने करियर में मिली सफलता को लेकर एंडरसन ने कहा, मैं थोड़ा हैरान हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्दी हो गया पर मुझे हमेशा लगता था कि मैं हमेशा ही यहां तक पहुंच सकता हूं। मैं सिटी क्लब को और आगे ले जाने की कोशिश करता रहूंगा। एंडरसन को अपने नए माहौल में जिन सबसे पहले अनुभवों में से एक का सामना करना पड़ेगा, वह प्रतिष्ठित मैनचेस्टर डर्बी होगा। यह एक ऐसा मैच है जिसे उन्होंने हमेशा करीब से देखा है और अब वे सिटी के ड्रेसिंग रूम के अंदर से इसे अनुभव करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, यह दुनिया के सबसे बड़े डर्बी में से एक है। जब से मैं मैनचेस्टर को जानता हूं, सिटी मैनचेस्टर के किंग रहे हैं। मैं ऐसी किसी चीज में शामिल होने का इंतजार नहीं कर सकता।

यूएस ओपन: राइबाकिना ने बोउजास मानेइरो को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क

दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पेन की जेसिका बोउजास मानेइरो को 6-2, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली।

राइबाकिना ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और महज 30 मिनट में सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी कजाखस्तान की खिलाड़ी ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने शुरुआती चार में से तीन गेम जीतकर मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और आसान जीत की ओर बढ़ती दिखीं।

हालांकि मैच के लिए सर्विस करते समय राइबाकिना पहली बार अपनी सर्विस गंवा बैठीं। बोउजास मानेइरो ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने तुरंत खुद को संभाला और अगले ही गेम में फिर उनकी सर्विस तोड़कर मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर लिया। जीत के बाद राइबाकिना ने कहा, मैं जीत से बहुत खुश हूं। दूसरे सेट में उसने अपने शाट्स पर ज्यादा भरोसा दिखाया, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं मुकाबला खत्म करने में सफल रही। राइबाकिना इस साल न्यूयार्क में खिताब जीतकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश में हैं। इस जीत के साथ उन्होंने अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश भी जारी रखी है।

टूर्नामेंट से पहले सिनसिनाटी ओपन में चोट के कारण मैच से हटने के बाद राइबाकिना की फिटनेस को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन उन्होंने यूएस ओपन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, यह बिल्कुल सही तैयारी नहीं थी। मैं थोड़ा निराश थी कि बाकी सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे थे और मैं सिर्फ रिकवरी और जिम में जरूरी काम कर रही थी। यहां आकर मैं बेहद खुश हूं।

तीसरे दौर में राइबाकिना का सामना यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्त्सेवा से होगा। स्टारोडुब्त्सेवा ने 32वीं वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

थैलेसीमिया बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद के कुणाल अरोड़ा संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित

मुरादाबाद। थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद महानगर के पैरा टेबल टेनिस के युवा खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित हुए है। महानगर मुरादाबाद के निवासी सीनियर टेबिल टेनिस खिलाड़ी व कुणाल अरोड़ा के पिता यशपाल अरोड़ा ने बताया कि उनके बेटे पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी ग्रस्त रहे है। भारतीय टीम में चयन होने के बाद फ़िनलैंड के दौरे पर जाने से पहले 23 अगस्त को थैलेसीमिया इंडिया सोसाइटी के द्वारा ली मेरिडियन होटल नई दिल्ली में आयोजित थैलेसीमिया वारियर्स को दिया जाने वाला संतोष एवं अर्जुन अवार्ड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडिया टीवी के मालिक एवं विश्व प्रसिद्ध जर्नलिस्ट रजत शर्मा के द्वारा अपने जीवन का ऐतिहासिक पल को यादगार बनाते हुए ष्संतोष एवं अर्जुन अवार्डष् को प्राप्त किया कुणाल अरोड़ा की उपलब्धियों पर श्री रजत शर्मा जी ने प्रशंसा की और अपना आशीर्वाद भी दिया। कुणाल अरोड़ा इससे पूर्व फ़िल्मी एक्टर जैकी श्राफ से भी अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं।

अब जडेजा का विकल्प तलाशने की जरुरत : दीप दासगुप्ता

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि अब टीम प्रबंधन को स्पिन आलराउंडर रविन्द्र जडेजा का विकल्प तलाशना शुरु कर देना चाहिये। दीपदास के अनुसार श्रीलंका दौरे में ये देखने में आया है कि अब जडेजा की गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में वह अधिक विकेट भी नहीं ले पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन को उनकी जगह के लिए किसी खिलाड़ी को तैयार करना शुरु कर देना चाहिये। जडेजा ने श्रीलंका सीरीज की चार पारियों में कुल 8 विकेट लिए। दासगुप्ता को लगा कि भारत का स्पिन आक्रमण इस दौरे में विपक्षी टीम के लिए लगातार खतरा पैदा नहीं कर पाया। पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि श्रीलंका को फालो-आन देने के बावजूद भारतीय टीम उनके निचले क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी आउट नहीं कर पायी।

दासगुप्ता ने कहा, मानव सुथार को छोड़कर, हमारे स्पिनर उतने खतरनाक नहीं दिखे जितनी हमें उम्मीद थी। ऐसी पिचों पर जडेजा हमेशा से बहुत खतरनाक और असरदार रहे हैं पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं दिखी। मुझे लगा था कि पांचवें दिन वह अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने टीम के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अब उसने आगे बढ़ने का समय आ गया है। वह अपनी सामान्य सटीकता के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे थे। उनका गेंदबाजी एक्शन काफी हद तक कंधे पर निर्भर करता है।

दासगुप्ता ने साथ ही कहा कि स्पिन-बालिंग आलराउंडर की भूमिका में जडेजा के संभावित लंबे समय के विकल्प के तौर पर वाशिंगटन सुंदर अच्छें रहेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्पिनरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने की जरूरत है। हमें वाशिंगटन सुंदर को तैयार करने की जरूरत है। वह बिल्कुल जडेजा जैसे ही हैं। इसलिए जब जडेजा संन्यास लेने का फैसला करेंगे, तो हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होगी जो वही काम कर सके।

न्यू साउथ वेल्स ने पीटर सिडल को बनाया गेंदबाजी कोच, जोहान बोथा स्पिन सलाहकार की भूमिका में

सिडनी

आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है।

41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फारेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे।

सिडल ने अपने राज्य स्तरीय करियर का अधिकांश हिस्सा विक्टोरिया के लिए खेला है। इसके अलावा उन्होंने तस्मानिया के लिए भी तीन सत्र बिताए हैं।

सिडल ने न्यू साउथ वेल्स की ओर से जारी एक बयान में कहा, इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज से जुड़ना बेहद रोमांचक है। मैं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के इस समूह का मार्गदर्शन करने के अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आने वाली गर्मियों का सत्र बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है और मैं इसमें पूरी तरह जुटने का इंतजार नहीं कर सकता।

वहीं, इस साल की शुरुआत में क्वींसलैंड के कोच पद से इस्तीफा देने वाले जोहान बोथा फिलहाल अस्थायी आधार पर टीम के साथ काम करेंगे।

मुख्य कोच ब्रैड हैडिन ने कहा, पीटर और जोहान का ब्लूज के साथ जुड़ना दर्शाता है कि हम टीम के आसपास उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीटर अपने साथ काफी अनुभव और ज्ञान लेकर आए हैं और वह उस तरह के क्रिकेटर का उदाहरण भी हैं, जैसा हम अपनी टीम में देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हमें भरोसा है कि हमने ब्लूज के लिए रोमांचक सत्र से पहले एक संतुलित और मजबूत कोचिंग टीम तैयार की है।

न्यू साउथ वेल्स के तेज गेंदबाजी विभाग में आस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी शामिल हैं, हालांकि अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण वे राज्य क्रिकेट में कम ही खेलते हैं। इनके अलावा टीम के पास लियाम हैचर, उभरते हुए रयान हेडली, आलराउंडर जैक एडवर्ड्स, अनुभवी सीन एबाट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस जैसे विकल्प मौजूद हैं।

लियाम हैचर आस्ट्रेलिया ए टीम के भारत दौरे का हिस्सा हैं। स्पिन विभाग में जोएल डेविस जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर वनडे टीम के साथ जाएंगे, जबकि तनवीर संघा आस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे के सीमित ओवरों के चरण का हिस्सा हैं।

न्यू साउथ वेल्स अपने सत्र की शुरुआत 22 सितंबर को क्वींसलैंड के खिलाफ वनडे कप मुकाबले से करेगा। टीम का पहला शेफील्ड शील्ड मुकाबला 8 अक्टूबर से तस्मानिया के खिलाफ होगा।